Distance Mode

एम0ए0 (संस्कृत साहित्य)

पाठ्यक्रम

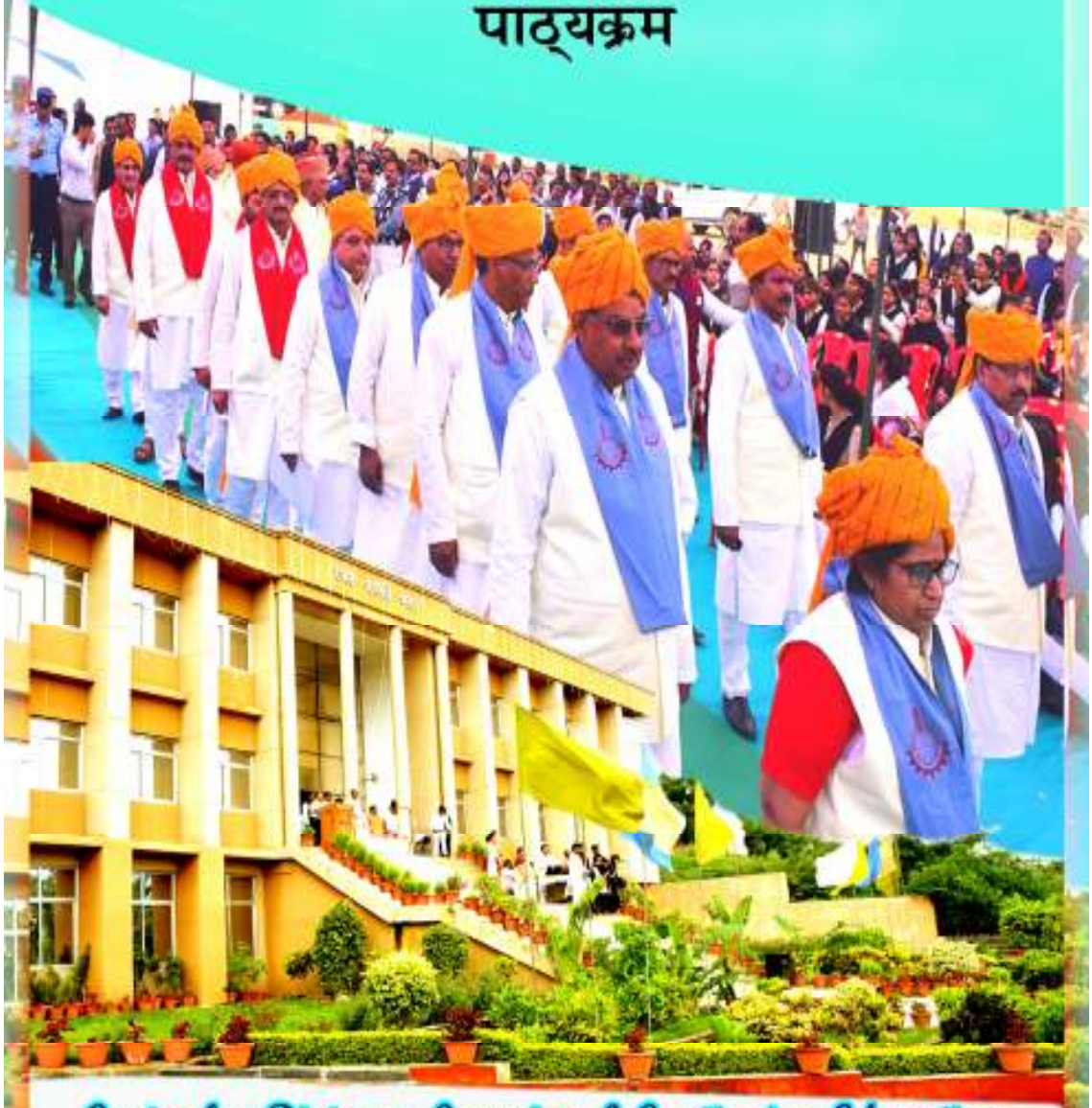

Centre for Distance Learning & Continuing Education
Mahatma Gandhi Chitrakoot Gramodaya Vishwavidyalaya
Chitrakoot, Satna (M.P.) 485334

दूरवर्ती अध्ययन एवं सतत् षिक्षा संस्थान

महात्मा गॉधी चित्रकूट ग्रामोदय विष्वविद्यालय, चित्रकूट
सतना (म.प्र.) 485 334

एम.ए. संस्कृत साहित्य

पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध

अवधि **– दो वर्श**

कुल प्रष्न पत्र – 8

एम.ए. पूर्वार्द्ध में – 4

एम.ए. उत्तरार्द्ध में – 03+01 लघषोध प्रबंध कुल–4

नोट –

- प्रत्येक प्रष्न पत्र 100 अंको का होगा।
- 30 अंकों की आन्तरिक परीक्षा 70 अंकों की वाह्य परीक्षा होगी।

दूरवर्ती अध्ययन एवं सतत् षिक्षा संस्थान
महात्मा गॉधी चित्रकूट ग्रामोदय विष्वविद्यालय, चित्रकूट
सतना (म.प्र.) 485 334

एम.ए. (पूर्वाद्ध) संस्कृत साहित्य

प्रष्न पत्र 1 : काव्य

प्रष्न पत्र 2 : इतिहास काव्य

प्रष्न पत्र 3 : संस्कृत काव्य परम्परा

प्रष्न पत्र 4 : भारतीय दर्षन एक परिचय

एम. ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत साहित्य

प्रष्न पत्र 1 : इतिहास पुराणों का परिचय

प्रष्न पत्र 2 : संस्कृत काव्य तथा आधुनिक विष्व एवं नीति शास्त्र

प्रष्न पत्र 3 : इतिहास, संस्कृति एवं संस्कार

प्रष्न पत्र 4 : लघ षोध प्रबंध

एम.ए. (पूर्वाद्ध) संस्कृत साहित्य

प्रथम प्रष्न–पत्र

इकाई–1: मेघदूत (पूर्व मेघ)

इकाई–2: मेघदूत (उत्तर मेघ)

इकाई–3: नैशाधीय चरितम् – प्रथम सर्ग

इकाई–4: पाठ्य पुस्तुक से संबंधित प्रष्न

इकाई–5: निर्धारित कवियों से संबंधित प्रष्न

अनुषांसित पुस्तक

1. मेघदूत (पूर्व मेघ) : मल्लिनाथ टीका हिन्दी अनुवाद सहित वाराणसी।
2. मेघदूत (उत्तर मेघ) : मल्लिनाथ टीका हिन्दी अनुवाद सहित, चौखम्बा, वाराणसी।
3. कालीदास

द्वितीय प्रष्न–पत्र

इकाई–1: बाल्मीकि रामायण सुन्दरकाण्ड 01 से 05 सर्ग

इकाई–2: बाल्मीकि रामायण सुन्दरकाण्ड 06 से 10 सर्ग

इकाई–3: बाल्मीकि रामायण सुन्दरकाण्ड 10 से 15 सर्ग

इकाई–4: महाभारत षान्तिपर्व राजधर्म प्रकरण अध्याय 50 से 60

इकाई–5: महाभारत षान्तिपर्व राजधर्म प्रकरण अध्याय 61 से 70

अनुषंसित पुस्तक

रामायण : सुन्दरकाण्ड : बाल्मीकिकृत गीता प्रेस गोरखपुर

महाभारतः महर्शि वेदव्यास कृत, गीता प्रेस गोरखपुर

तृतीय प्रष्न–पत्र : संस्कृत काव्य परम्परा

इकाई–1: संस्कृत काव्य परंपरा में महाकाव्य, खण्डकाव्य, गद्य, चम्पू, मुक्त की विधाओं का विकास। भामह, दण्डी विष्वनाथ द्वारा प्रदत्त लक्षण।

इकाई–2: संस्कृत काव्य परंपरा लक्षण संबंध।

इकाई–3: संस्कृत नाट्य का उद्भव और विकास, रूपक के प्रकार।

इकाई–4: कुमार संभव – कालिदास सर्ग 01–05

इकाई–5: कालिदास का भारतीय साहित्य तथा विष्व साहित्य पर प्रभाव।

अनुषंसित पुस्तक

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास : आचार्य बलदेव उपााध्याय।
2. भरत मुनिका नाट्यषास्त्र : हिन्दी व्याख्या सहित।
3. कुमार सम्भव, कालिदास : मल्लिनाथ टीक, चौखम्बा वाराणसी।
4. दषरूपक : (नन्दीटीका सहित) : रामजी उपाध्याय वाराणसी।

चतुर्थ प्रष्न–पत्र : भारतीय दर्षन एक परिचय

इकाई–1 : भारतीय दार्षनिक संप्रदाय : विशयवस्तु

इकाई–2 : दार्षनिक साहित्य : उद्भव और विकास

इकाई–3 : सर्व दर्षन संग्रह (चार्वाक दर्षन)

इकाई–4 : सर्व दर्षन संग्रह (बौद्ध दर्षन)

इकाई–5 : सर्व दर्षन संग्रह (वेदान्त)

दूरवर्ती अध्ययन एवं सतत् षिक्षा संस्थान

महात्मा गॉधी चित्रकूट ग्रामोदय विष्वविद्यालय, चित्रकूट

सतना (म.प्र.) 485 334

एम. ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत साहित्य

प्रथम प्रष्न पत्र : इतिहास पुराणों का परिचय तथा इतिहास–

इकाई–1 : इतिहास पुराण का स्वरूप रामायण और महाभारत का रचना काल तथा काव्य सौन्दर्य।

इकाई–2 : अश्टादष पुराणों का परिचय।

इकाई–3 : पुराणों में आख्यान पुराकथा तथा ऐतिहासिक वृत्त।

इकाई–4 : पाठ्यग्रन्थ महाभारत "नलोपाख्यान"।

इकाई–5 : विश्णु पुराण प्रथम 05 अध्याय।

अनुषंसित पुस्तक

1. विश्णु पुराण, आचार्य श्रीराम षर्मा, हरिद्वार।
2. नलोपाख्यान, चौखम्बा वाराणसी।
3. आदिकवि बाल्मीकि : राधाबल्लभ त्रिपाठी। संस्कृत परिशद्, सागर, सागर विष्वविद्यालय।
4. इतिहास – पुराण का अनुषीलन, रमा षंकर भट्टाचार्य, वाराणसी।

द्वितीय प्रष्न–पत्र : संस्कृत काव्य तथा आधुनिक विष्व

इकाई–1 : कालिदास का भारतीय साहित्य तथा विष्व साहित्य पर प्रभाव।

इकाई–2 : संस्कृत साहित्य में समाज, संस्कृत साहित्य में जीवन मूल्य।

इकाई–3 : संस्कृत नाटक और विष्वरंगमंच, ग्रीक रंगमंच की परंपरा। संस्कृत नाट्य परंपरा की तुलनाक में वैषिश्ट्य। संस्कृत नाटक व नाट्य परंपरा का आधुनिक रंगमंच पर प्रभाव।

इकाई–4 : संस्कृत साहित्य में राश्ट्रीयता।

इकाई–5 : संस्कृत काव्यों का विभिन्न षास्त्रों में अन्तः संबंध धर्म षास्त्र, अर्थषास्त्र आदि।

तृतीय प्रश्न पत्र : इतिहास संस्कृति एवं संस्कार

इकाई–1 : भारत का इतिहास – इतिहास का स्रोत, सिन्धु घाटी की सभ्यता–वैदिक काल, बुद्ध काल, मौर्य काल तथा गुप्त काल।

इकाई–2 : धार्मिक परम्परायें

वैदिक धर्म, उपनिशदों में नैतिक3 तत्व, बौद्ध धर्म के हीनयान तथा महायान, जैन धर्म, पुराणों और महाकाव्यों में धर्म।

इकाई–3 : भारतीय संस्कृति की प्रमुख विषेशताएं।

इकाई–4 : प्रधान भारतीय दर्षन षास्त्र–परिचय।

इकाई–5 : संस्कार एवं आश्रम व्यवस्था।

अनुषंसित पुस्तक

1. प्राचीन भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका, रामजी उपाध्याय, वाराणसी।
2. प्राचीन भारत का इतिहास, रमाषंकर त्रिपाठी।
3. प्राचीन भारत की संस्कृति और सभ्यता अनु.गुणाकर मुले, दामोदर धर्मानन्द कौषाम्बी, राजकमल प्रकाषन, 1999
4. भारतीय दर्षन–दत्ता एवं चटर्जी।

चतुर्थ प्रश्नपत्र : लघु षोध प्रबंध।

◆◆◆